Roll No. ..... Total Printed Pages - 4

F-3323

B. A. (PART - III) EXAMINATION, 2022
(New course)
SANSKRIT LITERATURE
Paper First
(नाटक व्याकरण और अनुवाद)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 75*

नोटः- सभी प्रश्न करना अनिवार्य है।

इकाई-1

1. **(अ)** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए- **20**

(i) यदालोके सूक्ष्मं व्रजति सहसा तद्विपुलतां
यदद्धा विच्छिन्नं कृतसन्धानमिव तत्।
प्रकृत्या यद्वक्रं तदपि समरेखं नयनयो-
र्न मे दूरे किञ्चित् क्षणमपि न पार्श्वेरथजवात्।।

(ii) यास्त्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया।
कण्ठः स्तम्भितवाष्पवृत्तिकलुषश्चिन्ताजडं दर्शनम्।

वैक्लव्यं मम तावदीदृशमपि स्नेहारण्यौकसः।
पीड्यन्ते गृहिणः कथं न तनयाश्लेषदुःखैर्नवैः।।

(iii) अर्थो हि कन्या परकीय एव,
तामद्य सम्प्रेष्य परिग्रहीतुः।
जातोऽस्मि सद्यो विशदान्तरात्मा
चिरस्य निक्षेपमिवार्पयित्वा।।

(iv) आचार इत्यधिकृतेन मया गृहीता
या वेत्रयष्टिरवरोधगृहेषु राज्ञः।
काले गते बहुतिथे मम सैव जाता
प्रस्थानविक्लवगतेरवलम्बनाय।।

(ब) निम्नांकित में से किसी एक श्लोक का अनुवाद कीजिए- **10**

(i) मानुषीभ्यः कथं नु स्यादस्य रूपस्य सम्भवः।
न प्रभातरलं ज्योतिरूदेति वसुधातलात्।

(ii) गच्छति पुरः शरीरं धावति पश्चादसस्थितं चेतः।
चीनांशुकमिव केतोः प्रतिवातं नीयमानस्य।।

(iii) भान्तिनम्रास्तरवः फलोद्गमैर्नम्बुभिर्दूरविलम्बिनो घनाः।
अनुद्धताः सत्पुरुषाः समृद्धिभिः स्वभाव एवैष परोपकारिणाम्।।

इकाई-2

2. अभिज्ञनशाकुन्तलम् की नायिका की चारित्रिक विशेषताओं का श्लोकसहित वर्णन कीजिए। **10**

अथवा

काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शकुन्तला।
तत्रापि चतुर्थोडंको तत्रश्लोक चतुष्टयम्।।

इकाई-3

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** छन्दों के लक्षण सोदाहरण लिखिए। **15**

(i) उपेद्रवज्रा
(ii) उपजाति
(iii) वंशस्थ
(iv) वसन्ततिलका
(v) मन्दाक्रान्ता
(vi) आर्या

इकाई-4

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रयोगों को सिद्ध कीजिए। **10**

(i) चयनीय
(ii) कार्य
(iii) पठितुम्
(iv) लेखक
(v) पठन

(vi) जीर्णः
(vii) वन्दमान

इकाई-5

5. **(अ)** किन्हीं **तीन** प्रयोगों को सूत्रनिर्देशपूर्वक सिद्ध कीजिए- **6**

(i) आदित्यः
(ii) दाक्षि
(iil) महत्ता
(iv) जाड्य
(v) अश्वा
(vi) गौरी
(vii) मयूरी

(ब) किन्हीं **दो** सूत्रों की उदाहरणसहित व्याख्या कीजिए- **4**

(i) लशक्वतद्धिते
(ii) यवोरनाकौ
(iii) चुटू
(iv) तलन्तस्त्रियाम्
(v) ण्वुल्तृचौ
(vi) यस्येतिच
(vii) अजाद्यतष्टाप्
(viii) अतिशायने तमविष्ठनौ